



धमाका
डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

टार्गेट्स का तरीका और समय, सेना तय करे, पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी ने दी आर्मी को खुली छूट

नई दिल्ली 29 अप्रैल (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार आतंकियों के खिलाफ भारत लगातार कार्रवाई कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में आज (29 अप्रैल) पीएम आवास में हाई लेवल मीटिंग हुई। मीटिंग में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान और थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी मौजूद थे। यह मीटिंग लगभग ढाई घंटे चली। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पीएम

मोदी ने कहा कि सरकार को भारतीय सेना पर पूरा भरोसा है। वहीं, अटेंक का तरीका और समय सेना तय करे। पीएम मोदी ने आतंकियों पर कार्रवाई करने के लिए सेना को खुली छूट दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद को कराा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं में पूर्ण विश्वास और भरोसा जताया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें (भारतीय सेना) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर निर्णय लेने की पूरी परिचालन स्वतंत्रता है।

बैठक में ऑपरेशन और

भविष्य की रणनीति तैयार हुई – बैठक में आतंकियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन और भविष्य की रणनीति तैयार हुई। पीएम मोदी ने पहले ही आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, दर्जनों लोग घायल हो गए थे। इस हमले के बाद पाकिस्तान भी हाई अलर्ट पर है। शहबाज सरकार को आशंका है

कि भारतीय सेना पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई कर सकता है। **समय कम है और लक्ष्य बड़े हैं** – पहलगाम आतंकी हमले के बाद दूसरी बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जैसे ही यह कहा कि 'हमारे पास समय सीमित है और लक्ष्य बड़े है।' एक समय तो वहां मौजूद लोगों को

लगा कि पीएम आज फिर पहलगाम आतंकी हमले पर बोलेंगे। लोगों की उत्सुकता अचानक से बढ़ी लेकिन अगले ही पल उन्होंने खुद को संभाला और कहा कि 'ये बात मैं वर्तमान स्थिति के लिए नहीं कह रहा हूं। दरअसल, पीएम मोदी ये बात विकसित भारत के लक्ष्य के परिप्रेक्ष्य में कहीं थी। यह बात अलग है कि लोगों की इन दिनों सबसे अधिक उत्सुकता पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से उठाए जाने वाले कदमों पर है। जिसे लेकर खुद पीएम मोदी भी कह चुके हैं कि दौधियों को नहीं बख्सेंगे। पॉडितों को न्याय मिलकर रहेगा।

प्रदेश में सांपों की गणना के लिए सीएम ने दिए निर्देश, उलझन में वन विभाग- कैसे कराएं

भोपाल 29 अप्रैल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में सांपों की गणना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बार-बार निर्देश देने के बाद भी वन विभाग अब तक कोई कार्ययोजना नहीं बना पाया है। हाल ही में एक कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की उपस्थिति में मुख्यमंत्री यादव ने अपर मुख्य सचिव वन अशोक बर्णवाल से पूछ लिया कि अब तक सांपों की गणना क्यों नहीं कराई गई, क्या पेशानी है। इसके बाद वन विभाग उलझन में पड़ गया है कि आखिर सांपों की गिनती कराएं तो कैसे कराएं। इसके लिए विशेषज्ञों से बात भी की जा रही है और सांपों की गणना कराने का रास्ता तलाशा जा रहा है।

जिले में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें तराशा जाए - डिप्टी कलेक्टर आंजना

नीमच जिला ताइक्वांडो संघ का वार्षिक सम्मान समारोह सम्पन्न

नीमच 29 अप्रैल (निप्र)। जिले में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस उन्हें तराशा जाए। सेल्फ डिफेंस से शारीरिक क्षमताओं के साथ-साथ मानसिक क्षमता मे भी बढ़ोतरी होती है। उक्त आशय के उद्गार डिप्टी कलेक्टर किरण आंजना नीमच जिला ताइक्वांडो एवं कराते संघ के खिलाडियों के वार्षिक समापन समारोह में बच्चों के प्रदर्शन देखने के बाद व्यक्त किए।

रेलवे इंस्टिट्यूट के आगे एससी एसटी एसोसिएशन कार्यालय पर आयोजित वार्षिक सम्मान समारोह में शैक्षणिक सत्र 2024 - 25 में जिन भी खिलाडियों ने संभाग राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करने वाले सभी खिलाडियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें कुल 30 खिलाडियों को प्रमाण पत्र मेडल एवं ब्लैक बेल्ट प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम कश्मीर के पहलगाम मे



हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु 2 मिनट का मौन धारण किया गया। दीप प्रज्वलित कर ब्लैक बेल्ट परीक्षा उत्तीर्ण खिलाड़ी सूरज सिंह कच्छावा एवं भूमिका गोयल को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र एवं ब्लैक बेल्ट प्रदान किया गया। राज्य स्तरीय शालेय एथलीट प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले पीयूष बारोड एवं शालेय राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता मे जिले

का नाम रोशन करने वाली तंजीया बानो को प्रमाण पत्र एवं मेडल पहनकर सम्मानित किया गया। साथ ही अलग-अलग लेवल पर जिन भी खिलाडियों ने अपने खेल के माध्यम से अपने जिले का नाम रोशन किया उन सभी खिलाडियों को भी प्रमाण पत्र एवं मेडल पहनकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रतन लाल निर्वाण ने बताया कि नीमच

जिला ताइक्वांडो संघ पिछले 30 से भी अधिक वर्षों से जिले में सेल्फ डिफेंस एवं मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण देता आ रहा है। साथ ही 1 मई 2025 से समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसमें अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण का लाभ लेने हेतु सभी नीमच वासियों से अपील की गई। इस अवसर पर अजाक्स अध्यक्ष यशवंत गोयल, वाल्मिकी समाज के अध्यक्ष रामुराम डागर,

रेलवे अनु जाति जनजाति रेल कर्मचारी शाखा नीमच के अध्यक्ष अजुन सिंह वर्मा, पूर्व नीमच शाखा के अध्यक्ष प्रेमचंद कलौंसिया, विजयश्री जैन मेडम एवं काफी संख्या में बच्चो के अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जयप्रकाश लोधा ने किया आभार श्री ए.सी वर्मा ने माना। उक्त जानकारी नीमच जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव जय प्रकाश लोधा ने दी।

ज्ञानोदय इंटरनेशनल में सकोरों का वितरण

नीमच 29 अप्रैल (निप्र)। पूरे जिले में गर्मी सितम ढा रही है। ऐसे में किसी भी बेजुबान पशु-पक्षी को प्यासा ना तरसना पड़े, इसके लिए ज्ञानोदय स्कूल ने मंगलवार को पक्षियों पीने के पानी के लिए बच्चों को मिट्टी के सकोरे का वितरण किया। विद्यालय की निदेशिका डॉ. गर्गमा चौरसिया ने कहा कि भीषण गर्मी में आसमान से आग बरस रही है।

गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में लोगों की जिम्मेदारी है कि वे पक्षियों के लिए दाना व पानी की उचित व्यवस्था कर अपने जिम्मेदारी का निर्वाहन करें। ताकि खुले आसमान और धूप में विचरण करने वाले पंछियों को राहत मिल सके।



लगातार रिकार्ड तोड़ गर्मी के इस कोहराम से पशु पक्षी का जीवन खतरों से गुजर रहा है। इसमें मुख्य रूप से वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण और जल प्रदूषण पर पूर्ण रूप से काबू नहीं पा रहे हैं। चिलचिलाती गर्मी में पक्षियों के लिए पानी और दाना जीवनदायिनी सिद्ध हो सकते हैं।

उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि प्रत्येक घर में जितने

सदस्य हैं, उतने परिंडे लगाएं और रोजाना उनमें दाना-पानी डालने का संकल्प लें, ताकि कोई पक्षी प्यास से दम न तोड़े। हम सभी को पेड़ -पौधों व पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए। इस अवसर छात्र छात्राओं और शिक्षकों ने अपने घरों की छतों और आसपास के क्षेत्रों में पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने का संकल्प लिया। यह आयोजन

पर्यावरण संरक्षण और जीव दया की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

इस अभियान को सभी ने सराहा और इसे एक प्रेरणादायक सामाजिक पहल बताया जो विद्यार्थियों को संवेदनशील नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

RNI NO. MPHIN38290 (TC)
संपादक : ऐश्वर्य शर्मा
नीमच, बुधवार
30 अप्रैल 2025
वर्ष - 02, अंक - 52 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664866

बड़े वाले श्री परशुराम धाम

पंचवटी कॉलोनी, नीमच (म.प्र.)

मान्यवर,

अत्यन्त हर्ष के साथ आमंत्रित करते हैं कि सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा आराध्य देवराज राजनाज्ञेश्वर **भगवान श्री परशुराम जी** का **जन्मोत्सव** खड़े छर्षोझास के साथ मनाया जा रहा है, जिसमें आप उपस्थित होकर धर्म लाभ लेंगे एवं भगवान जी पद्मश्रुम ज्ञी का द्वाश्रीक्ष प्राप्त करेंगे।

मंगलवार, 29-4-2025
महिलाओं एवं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम
सांय 5 बजे से

बुधवार, 30-4-2025
विशाल वाहन रैली
प्रातः 8 बजे से
(अनन्त मंगल बालाजी से परशुराम धाम)

बुधवार, 30-4-2025
राजराजेश्वर भगवान श्री परशुराम जी की महाआरती एवं पुरस्कार वितरण : प्रातः 11 बजे से
भोजन प्रसादी - पुरस्कार वितरण पाचपात्
स्थान- श्री परशुराम धाम, पंचवटी कॉलोनी, नीमच (म.प्र.)

संरक्षक

पं. श्री राकेश भारद्वाज, पं. श्री सुनील शर्मा

परामर्श मण्डल

पं. श्री डॉ. एल.एन. शर्मा, पं. श्री डॉ. संजय जोशी, पं. श्री डॉ. प्रशांत मिश्रा, पं. श्री गजेन्द्र शर्मा, पं. श्री श्यामप्रसाद शर्मा, पं. श्री राजू निरंजन तिवारी, पं. श्री चेतन व्यास (मामा), पं. श्री अवन्तिलाल शर्मा, पं. श्री दरबारीलाल शर्मा, पं. श्री ओमप्रकाश शर्मा, पं. श्री अरुण शर्मा, पं. श्री रामचन्द्र जोशी, पं. श्री राजेन्द्र शर्मा (पहलवान), पं. श्री सुरेश शर्मा, पं. श्री धनश्याम शास्त्री

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष	सह सचिव
पं. श्री उमेश शर्मा	पं. श्री भूपेन्द्र गौड़ (बाबा)	पं. श्री दिनेश मानावत	पं. श्री कन्हैलाल शर्मा	पं. श्री गिरीश व्यास

सदस्यगण

पं. श्री परंतजलि शर्मा, पं. श्री संतोष शर्मा, पं. श्री राजेश तिवारी, पं. श्री भेरूलाल शर्मा, पं. श्री पुष्पोत्तम शर्मा, पं. श्री पवन शर्मा, पं. श्री विकास जोशी, पं. श्री अमरीश पुरोहित, पं. श्री कैलाश नेमरिया, पं. श्री डॉ. जुगल शर्मा, पं. श्री सुनिश शर्मा, पं. श्री अखिलेश शर्मा, पं. श्री नवीन तिवारी, पं. श्री लक्ष्मण शर्मा, पं. श्री दिनेश शर्मा, पं. श्री सुरेश शर्मा, पं. श्री राजेन्द्र शर्मा, पं. श्री मधुसुन्दर शर्मा, पं. श्री अनिल शर्मा, पं. श्री संजय शर्मा, पं. श्री दीपेश शर्मा, पं. श्री अनिल कुमारी

संरक्षक मण्डल

श्रीमती सुनिता भारद्वाज, श्रीमती अर्चना पंचोली, श्रीमती संगीता शर्मा, श्रीमती डॉ. शक्तिबाला शर्मा

परामर्श मण्डल

श्रीमती मीना मानावत, श्रीमती भारती व्यास, श्रीमती किरण तिवारी, श्रीमती डॉ. निर्मला उपाध्याय, श्रीमती डॉ. साधना सेवक

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष	सह सचिव
श्रीमती शशि शर्मा	श्रीमती संतोष शर्मा	श्रीमती अर्चना तिवारी	श्रीमती शोभा शर्मा	श्रीमती संजु तिवारी

सदस्यगण

श्रीमती सना जोशी, श्रीमती कमला पालीवाल, श्रीमती किरण शर्मा, श्रीमती हेमा जोशी, श्रीमती अर्चना शर्मा, श्रीमती अर्चना जोशी, श्रीमती सुनिता शर्मा, श्रीमती श्वेता जोशी, श्रीमती उर्मिला शुक्ला, श्रीमती अपेक्षा शर्मा, श्रीमती रजनी शर्मा, श्रीमती अनुष्मा शर्मा, श्रीमती शिखा तिवारी, श्रीमती नोतु अवस्थी, श्रीमती राधिका मीश्रा, श्रीमती नीता तुगनावत, श्रीमती उषा दुबे, श्रीमती शांदा शर्मा, श्रीमती सुनिता जोशी, श्रीमती प्रमिला कुमारी, श्रीमती तारा शर्मा, श्रीमती नीरज शर्मा, श्रीमती प्रवृत्ता दुबे, श्रीमती विजया दुबे, श्रीमती कीर्ति उपाध्याय, श्रीमती नीलम चतुर्वेदी, श्रीमती ज्योति जोशी, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती मोना शर्मा, श्रीमती आरती व्यास, श्रीमती पुष्पलता व्यास, श्रीमती अंजु पंचोली, श्रीमती निवेदिता नागदा, श्रीमती ममता नागदा, श्रीमती रंजना नागदा

12th
के बाद

सफर जोश का
मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इक्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
घनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय
मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में
आयुष्मान
योजना लागू

5 लाख
रूपए
प्रति वर्ष, पात्र परिवार को निःशुल्क उपचार

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार निःशुल्क किए जाएंगे -

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर

क़ा समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ज्ञानोदय महाविद्यालस के पीछे, कनावटी, नीमच ९6262778282

2025 © All Rights Reserved.

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा



ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमत रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार और-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्वेरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निदर्शों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण दंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशाविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की ह्दगले की नसह्द बताया लेकिन यही नस अब



पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नौद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नौद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निदर्शों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसुरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे। पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुतराघात है। यह कश्मीर की

शांति को लीलने की कुचेष्टा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमत रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफज्द कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौफ़िर मुनीर, उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली,

महिला उत्थान और टूटते बिखरते परिवार



रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करने लगे और देश में संयुक्त परिवार टूटने लगे और आज संयुक्त परिवार बहुत ही सीमित हो चुके हैं। आधुनिक विकास और बढ़ती आबादी को इसका जिम्मेदार माना जा सकता है। दूसरी ओर महिलाएं भी सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होकर उभर रही हैं। आज महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में पुरुषों के कंधे से कंधा मिला चलने में सक्षम हो रही हैं। महिलाओं ने रिकशा, टैक्सी और ट्रेन चलाने से लेकर वायु यान उड़ाने तक और शिक्षा से लेकर देश की सेना, पुलिस जैसे कष्टसाध्य कार्यों में भी अपनी योग्यता दिखाई है। देश के सर्वोच्च पदों अर्थात राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री या न्यायाधीश जैसे अति सम्मानित पदों को सुशोभित किया है। देश और समाज के लिए गर्व की बात है कि देश की आधी आबादी (महिला समाज) देश की उन्नति में बराबर का योगदान कर रही है। हजारों वर्षों से चला आ रहा नारी शोषण धीरे धीरे घट रहा है। यद्यपि अभी भी पुरुष भाविसिकता में पर्याप्त बदलाव लाने की आवश्यकता है। उन्हें महिलाओं को सम्मान देना ही होगा, उनके

प्रति अपनी दुराचार की प्रवृति से मुक्त होना होगा। उन्हें भोग विलास की वस्तु समझने की प्रवृति को त्यागना होगा, अन्धथा उनके लिए आगामी जीवन असहज होने वाला है। महिलाओं का उत्थान सभ्य मानव समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है, परन्तु महिलाओं के उत्थान के परिणाम स्वरूप संयुक्त परिवार से बिखर कर बने एकाकी परिवार भी टूटने के कगार पर आने लगे हैं। महिलाओं में व्याप्त पुरुषों से संघर्ष की प्रवृति के कारण पति पत्नी में आपसी सामंजस्य का अभाव होने लगा है। पति और पत्नी दोनों अपने कार्यों में व्यस्त रहने के कारण बच्चों को माता पिता का स्नेह, उनका सानिध्य मिलना दुष्कर होता जा रहा है। अब बच्चों को भावनात्मक सहयोग उनके सहपाठियों से प्राप्त होता है। अतः अब वे अपने मित्रों के प्रति अधिक लगाव रखते हैं और माता पिता को सिर्फ आर्थिक संरक्षण का स्रोत मानते हैं। माता पिता आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के कारण उनमें आपस में प्रति दिन मनमुटाव भी सामने आता है, जिससे घर के जंग प्रभावित होते हैं। कभी कभी तो माता पिता की बच्चे तलाक तक पहुंच जाती है और बच्चों का भविष्य

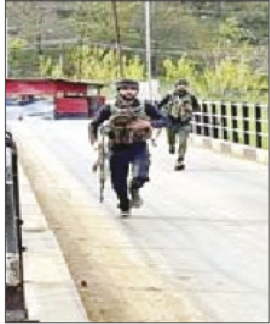
जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया। पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला?

जिस तरह से धर्म और नाम पृष्ठकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमस के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को 70ेसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमस को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केन्द्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गुहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिनहोंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

संपादकीय

सिंधु जल समझौते का स्थगन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ लिए गए फैसलों से जाहिर है कि पहलगाम हमले के लिए नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को जिम्मेदार ठहराया है। सीसीएस की बैठक में पांच महत्वपूर्ण फैसले लिए गए जिनमें प्रमुख रूप से भारत ने पाकिस्तान के साथ 1960 में किए गए सिंधु जल समझौते को स्थगित करने का फैसला है। एक वर्ग के लोगों का मानना है कि भारत सिंधु जल समझौते को स्थगित नहीं कर सकता जबकि वास्तव में अंतरराष्ट्रीय कानूनों के



मुताबिक, सीमा पार आतंकवाद को आधार बना कर भारत इस समझौते को निलंबित कर सकता है। इस समझौते के जरिए पाकिस्तान को सिंधु नदी का 80 फीसद हिस्सा मिलता है। भारत ने पिछले दो युद्धों और पाकिस्तान प्रयोचित आतंकवाद के बावजूद अपनी ओर से कभी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की थी। पहलगाम हमले के बाद पानी रिस से ऊपर आ गया है। पहलगाम पर जब आतंकी हमला हुआ उस समय प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर थे। उन्हें यह यात्रा बीच में छोड़ कर स्वदेश लौटना पड़ा। यह बहुत महत्वपूर्ण बात है कि भारत और सऊदी अरब के साझा बयान में दोनों देशों ने पहलगाम में हुए हमले की कड़ी निंदा की है। प्रधानमंत्री मोदी और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने आतंकवाद को किसी विशेष जाति, धर्म या संस्कृति से जोड़ने के प्रयास को एक रिसे से खारिज किया। सऊदी अरब ने पिछले कुछ वर्षों से आतंकवाद और इस्लाम के वित्त पोषण एवं कट्टरपंथ को रोकने की दिशा में सराहनीय प्रयास किया है लेकिन यह भी तथ्य है कि वह आतंकवाद को पोषित करने वाले पाकिस्तान को वित्तीय संकट से निकालने में मदद कर रहा है। लेकिन सऊदी अरब को अगर एक आधुनिक राज्य बनना है तो उसे पाकिस्तान नहीं भारत का साथ चाहिए। इस सच्चाई को वह जानता भी है। ट्रंप के टेरिफ से वैश्विक परिदृश्य भी बदल रहा है। चीन भले ही पाकिस्तान का समर्थक है लेकिन ट्रंप की नीतियों के चलते वह भारत के करीब आना चाहता है। वर्तमान में विश्व जनमत भारत के पक्ष में दिखाई दे रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि पहलगाम की घटना के बाद भारत पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर अलग-थलग करने में सफल हो सकता है।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कर दिए। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई। हर आदमी 2से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूँ, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।



रजनीश कपूर

भारत के संविधान में न्यायपालिका और विधायिका को विशेष अधिकार और शक्तियां प्रदान की गई हैं, जो उनके बीच संतुलन और नियंत्रण बनाए रखने के लिए जरूरी हैं। ये दोनों संस्थाएं संविधान के तहत अपने-अपने क्षेत्र में स्वतंत्र और समान रूप से कार्य करती हैं, लेकिन साथ ही एक-दूसरे की शक्तियों पर भी नियंत्रण रखती हैं। हाल में भाजपा सांपद नृषिकांत दुबे द्वारा भारतीय न्यायपालिका विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणियों ने देश में नई संवैधानिक बहस को जन्म दिया है। दुबे ने न्यायपालिका पर 'अराजकता' और 'धार्मिक युद्ध' भड़काने का आरोप लगाया और कहा कि सुप्रीम कोर्ट अपनी संवैधानिक सीमाओं से आगे बढ़ रहा है, जिससे संसद और विधानसभाओं की भूमिका गौण हो गई है। दुबे की टिप्पणियों पर विपक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और अवमानना की कार्यवाही की मांग की है। वहीं भाजपा ने खुद को इन टिप्पणियों से दूर कर लिया

है। विपक्षी दलों की नजर में मौजूदा विवाद सोची-समझी रणनीति के तहत जनता का ध्यान वक्फ विधेयक से उत्पन्न असहज परिस्थिति से भटकाने के लिए किया गया है। इस विवाद ने न्यायपालिका और विधायिका के बीच शक्तियों के संतुलन, संविधान में उनके अधिकारों और सीमाओं पर पुरानी बहस को फिर से प्रासंगिक बना दिया है। भारतीय न्यायपालिका एकीकृत प्रणाली है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय शीर्ष पर है, उसके नीचे उच्च न्यायालय और फिर जिला एवं सत्र न्यायालय आते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय संविधान का संरक्षक है और नागरिकों के मौलिक अधिकारों का 'गारंटर' भी है। सर्वोच्च न्यायालय के पास मूल अधिकार क्षेत्र होता है, जिसमें वह केन्द्र और राज्यों के बीच विवादों का निपटारा करता है। यह अपीलीय और अपीलहार अधिकार भी रखता है। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय को मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए व्यापक अधिकार प्राप्त हैं। यदि कार्यपालिका व विधायिका संविधान का उल्लंघन करते हैं तो उनके कार्यों को असंवैधानिक घोषित भी कर सकता है। न्यायपालिका विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों की समीक्षा करती है और अनुच्छेद 13 के तहत असंवैधानिक पाए गए कानूनों को अमान्य भी कर सकती है। यह विधायिका की शक्तियों पर महत्वपूर्ण नियंत्रण है।

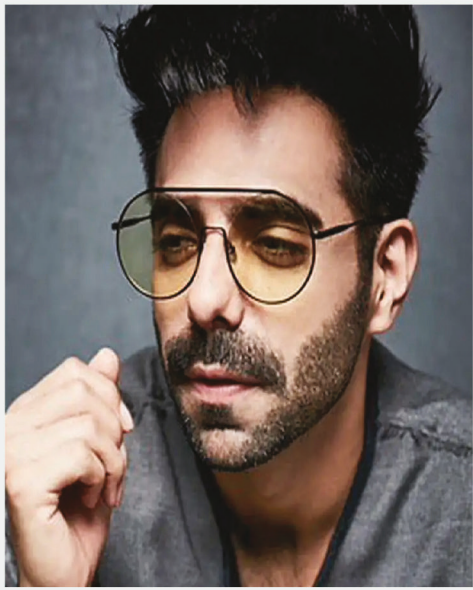
न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, लेकिन यह 'कॉलैजियम' प्रणाली के माध्यम से होती है, जो न्यायिक स्वतंत्रता को सुनिश्चित करती है।

न्यायाधीशों पर महाभियोग लगाकर उन्हें हटाने का प्रावधान भी है, जिससे न्यायपालिका की जवाबदेही मजबूत रहती है। अनुच्छेद 142 के तहत सर्वोच्च न्यायालय 'पूर्ण न्याय' के लिए आदेश जारी कर सकता है, जिससे उसे कुछ कार्यकारी कार्यों को संचालित करने की अनुमति मिलती है, खासकर जब कार्यपालिका विफल होती है। विधायिका का मुख्य कार्य कानून बनाना है। यह संसद (लोक सभा और राज्य सभा) और राज्य विधानसभाओं के रूप में कार्य करती है। विधायिका के पास कानून बनाने, संशोधित करने और रद्द करने का अधिकार है। यदि न्यायपालिका किसी कानून को असंवैधानिक घोषित कर देती है, तो विधायिका उस कानून को संविधान के अनुरूप संशोधित कर पुनः वैध बना सकती है। विधायिका के संसद्यों की भाषण और मतदान की स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 105(2) और 194(2) के तहत प्राप्त है, जो उन्हें न्यायालयों के हस्तक्षेप से बचाता है। विधायिका के पास राष्ट्रपति या न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग चलाने का अधिकार भी है, जो संवैधानिक उल्लंघनों के लिए एक नियंत्रण तंत्र है।

विधायिका कार्यपालिका को सलाह देती है और उसके कार्यों की निगरानी करती है। कार्यपालिका के पास अस्थायी जारी करने का अधिकार होता है, जिससे आपातकालीन स्थितियों में विधायिका को दरकिनार किया जा सकता है। भारतीय संविधान में स्पष्ट रूप से शक्ति विभाजन का उल्लेख नहीं है, लेकिन कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच



कार्यों का स्पष्ट विभाजन है। अनुच्छेद 50 के तहत न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करने के लिए कदम उठाए गए हैं। अनुच्छेद 121 और 211 विधायिका को न्यायाधीशों के आचरण पर चर्चा करने से रोकते हैं, और अनुच्छेद 122 और 212 न्यायपालिका को विधायिका की कार्यवाही पर निर्णय लेने से रोकते हैं। इससे दोनों के बीच संतुलन बना रहता है। यदि विधायिका संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन करती है, तो न्यायपालिका उसे निरस्त कर सकती है, जैसा कि 'केशवानंद भारती' मामले में स्थापित किया गया था। इस प्रकार न्यायपालिका संविधान की सर्वोच्चता सुनिश्चित करती है। इसलिए निश्चित दुबे के बयान ने एक संवैधानिक संकट खड़ा कर दिया है। इस स्थिति से सतारूढ़ दल और न्यायपालिका को अविलंब निपटना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।



रचनात्मक प्रस्तुति को लेकर सुर्खियों में अपारशक्ति खुराना

अपनी रचनात्मक प्रस्तुति को लेकर अभिनेता, गायक और होस्ट अपारशक्ति खुराना आजकल सुर्खियों में हैं। उन्होंने हाल ही में मशहूर पाकिस्तानी कवि अनवर मसूद की प्रसिद्ध कविता बनेन को अपनी शैली में प्रस्तुत किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। इस रचनात्मक यात्रा का सबसे भावुक पल तब आया जब यह प्रस्तुति खुद अनवर मकसूद साहब तक पहुँची। उन्होंने न केवल इस प्रयास को सराहा, बल्कि अपारशक्ति के अभिनय और अदायगी की खुलकर तारीफ भी की। अनवर मकसूद ने अपारशक्ति के लिए एक विशेष वीडियो संदेश भेजा जिसमें उन्होंने कहा, खुराना साहब, आपने मेरी नज़्म बनेन जो पढ़ी है, वह मैंने सुनी है और मुझे बहुत पसंद आई है। मेरी नज़्म और आपकी अदायगी, दोनों मिलकर एक बहुत खूबसूरत मंज़ूर पेश करते हैं। मैं आपको इस अदायगी पर स्वारकबाद देता हूँ। ऐसे प्रतिष्ठित साहित्यकार से मिली सराहना से अपारशक्ति भावुक हो उठे और उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से अपना आभार प्रकट करते हुए लिखा कि यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने अनवर साहब की पोती हदिया आकिब को भी विशेष धन्यवाद दिया, जिनकी मदद से यह वीडियो संदेश उनके पास पहुँचा। अपारशक्ति का यह प्रयास न केवल उनकी बहुआयामी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि साहित्य और कला की भाषा सीमाओं से परे होती है। इस भावनात्मक संवाद ने भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक रिश्तों की एक खूबसूरत मिसाल पेश की है। अपारशक्ति की यह प्रस्तुति सिर्फ एक वीडियो नहीं, बल्कि एक सरहद पार साहित्यिक पुल है जो दिलों को जोड़ता है। अब दर्शकों की निगाहें उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स पर हैं। वह जल्द ही फिल्म बदतमीज़ गिल में परेश रावल और वाणी कपूर के साथ नज़र आएंगे।

निल बटे सन्नाटा: अच्छी कहानी के लिए नामी चेहरे जरूरी नहीं

साल 2015 में आई छोटी सी फिल्म निल बटे सन्नाटा ने बिना बड़े सितारों या भारी प्रमोशन के वो कर दिखाया, जो बड़ी-बड़ी फिल्मों के लिए भी मुश्किल होता है। प्रोडक्शन हाउस 'कलर यलो प्रोडक्शन्स' के तहत बनी इस फिल्म ने यह संदेश दिया कि एक अच्छी कहानी के लिए जरूरी नहीं कि नामी चेहरे हों, बस सच्ची भावनाएं और मेहनत से रचा गया सपना होना चाहिए। फिल्म एक सिंगल मदर की कहानी कहती है, जो घरेलू सहायिका होने के बावजूद अपनी बेटी के लिए ऊँचे सपने देखती है। इस किरदार को स्वरा भास्कर ने बेहद संजीवनी से निभाया। उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को न सिर्फ भावुक किया, बल्कि सोचने पर भी मजबूर कर दिया कि समाज में किस तरह सपनों को वर्ग, उम्र या हैसियत के आधार पर सीमित कर दिया जाता है। निल बटे सन्नाटा की सबसे बड़ी खूबी यही थी कि उसने उम्मीद और हीसले की बात की, और दिखाया कि अगर इरादा पक्का हो, तो कोई भी बाधा मायने नहीं रखती। यह फिल्म उस पुरानी सोच को तोड़ती है कि एक सफल फिल्म में पुरुष लीड जरूरी होता है। इस फिल्म में कैमरे के दोनों ओर महिलाएं थीं सामने स्वरा भास्कर, और निर्देशन की कमान थामे अश्विनी अय्यर तिवारी, जिनके लिए यह पहली फिल्म थी। उन्होंने एक ऐसी कहानी कही जो हर उम्र, हर वर्ग और हर जेंडर को छू गई। नौ साल बीत जाने के बाद भी निल बटे सन्नाटा उतनी ही प्रासंगिक, ताजा और प्रेरणादायक लगती है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक दृष्टिकोण है एक भरोसा कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, अगर उम्मीद थामे रखी जाए, तो जिंदगी बदली जा सकती है। यह फिल्म उन गिनी-चुनी कहानियों में से एक है जो आपको मुस्कुराना सिखाती है, और यह यकीन दिलाती है कि जहाँ भी हों, आप आगे बढ़ सकते हैं। सपनों की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती, और यही बात निर्देशक आनंद एल राय और फिल्म निल बटे सन्नाटा ने साबित कर दी।



मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करती हूँ अप्पा: श्रुति हासन

बालीवुड एक्ट्रेस श्रुति हासन ने अपनी जिंदगी के सबसे खास रिश्ते पर खुलकर बात की है। अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह किससे सबसे ज्यादा प्यार करती हैं, और वह कोई और नहीं बल्कि उनके पिता और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के विग्गज अभिनेता-निर्देशक कमल हासन हैं। श्रुति ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह अपने पिता के साथ नज़र आ रही हैं। तस्वीरों में कमल हासन ब्राउन पैंट और बेबी पिंक टी-शर्ट पहने कुर्सी पर बैठे हैं, जबकि श्रुति ब्लैक आउटफिट में उनके पैरों के पास जमीन पर बैठी हैं। दोनों कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रहे हैं। इन प्यारी तस्वीरों के साथ श्रुति ने एक इमोशनल कैप्शन भी लिखा है : 'आप हमेशा मेरी जिंदगी की रोशनी और ताकत का जरिया हो, हंसी का कारण होज मैं आपसे सबसे ज्यादा प्यार करती हूँ अप्पा।' फैंस को यह पोस्ट काफी पसंद आ रही है और सोशल मीडिया पर इसे लेकर कई भावुक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई यूजर्स ने पिता-बेटी के इस प्यारे रिश्ते को दिल छू लेने वाला बताया है। श्रुति का पूरा नाम श्रुति राजलक्ष्मी हासन है। उनका जन्म 28 जनवरी 1986 को तमिलनाडु में हुआ था, जो उनके माता-पिता कमल हासन और सारिका की शादी से दो साल पहले हुआ था। बाद में कमल और सारिका ने 1988 में विवाह किया और उनकी दूसरी बेटी अक्षरा हासन का जन्म हुआ। हालांकि 2004 में यह रिश्ता तलाक के साथ खत्म हो गया। श्रुति और कमल हासन के बीच का यह भावनात्मक रिश्ता इंडस्ट्री में मिसाल माना जाता है, और एक बार फिर इस पोस्ट ने यह साबित कर दिया कि पब्लिक फिगर होने के बावजूद भी कुछ रिश्ते बेहद निजी और अनमोल होते हैं। बता दें कि एक्ट्रेस श्रुति हासन अक्सर अपने अभिनय से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। फैंस और पैपराजी अक्सर उनसे शादी और रिलेशनशिप को लेकर सवाल पूछते हैं।



जान्हवी ने पीरियड्स के दर्द को कम आंकने वाले पुरुषों पर साधा निशाना

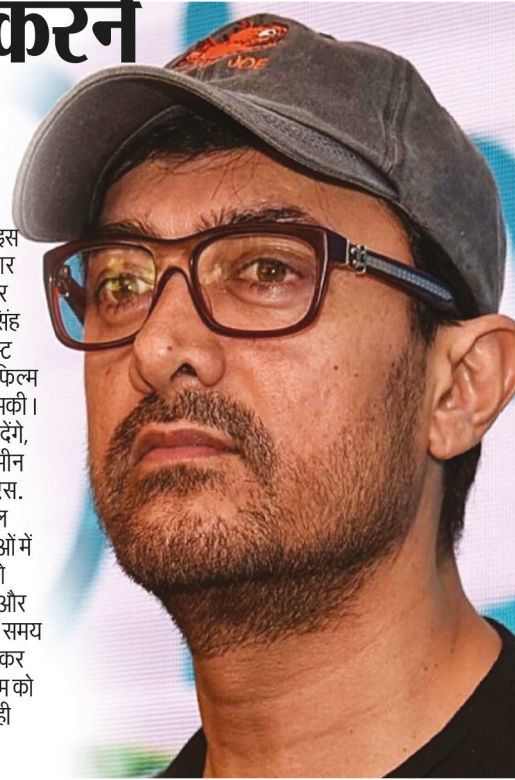
हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने महिलाओं के पीरियड्स के दर्द को कम आंकने वाले पुरुषों पर निशाना साधा। जान्हवी का कहना है कि अगर मर्दों को पीरियड्स होते तो वे एक पल भी इस दर्द को सहन नहीं कर पाते, और शायद तब पूरी दुनिया में युद्ध जैसा माहौल बन जाता। उन्होंने कहा कि कई बार जब महिलाओं का मूड खराब होता है या वे किसी बात पर बहस करती हैं, तो पुरुष उन्हें यह कहते हैं, क्या यह पीरियड्स का समय है? लेकिन जान्हवी का मानना है कि इस तरह की बातें महिलाओं के दर्द और भावनाओं को अनदेखा करने जैसी हैं। उनका कहना है, अगर आप सच में हमारी भावनाओं को समझते हैं तो आपको थोड़ा रुकना चाहिए, क्योंकि पीरियड्स का दर्द इतना गहरा होता है कि उसे शब्दों में नहीं कहा जा सकता। जान्हवी ने आगे कहा, यह बहुत अजीब और गलत नज़रिया है, क्योंकि मैं आपको विश्वास दिलाती हूँ, पुरुष इस दर्द और मूड स्विंग को एक मिनट भी सहन नहीं कर पाएंगे। अगर मर्दों को पीरियड्स होते तो शायद पूरी दुनिया में परमाणु युद्ध जैसा माहौल बन जाता।

जान्हवी का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और लोग इसे लेकर खूब चर्चा कर रहे हैं। जान्हवी कपूर की 2024 में तीन फिल्में रिलीज़ हुईं, जिनमें मिस्टर एंड मिसेज़ माही, उलझन और देवरा पाट 1 शामिल हैं। अब एक्ट्रेस अपनी अगली फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके अलावा, उनकी फिल्म परम सुंदरी 2025 में रिलीज़ होगी। जान्हवी तेलुगु फिल्म पेड्डी में भी नज़र आएंगी, जिसमें राम चरण, शिव राजकुमार, दिव्येंद्रु शर्मा और जगपति बाबू भी होंगे। पेड्डी 27 मार्च 2026 को रिलीज़ होने वाली है।

‘महाभारत’ पर काम शुरू करने जा रहे हैं आमिर खान

हाल ही में एक इंटरव्यू में बालीवुड एक्टर आमिर खान ने खुलासा किया कि वह इस साल से 'महाभारत' पर काम शुरू करने जा रहे हैं। यह फिल्म उनका अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट साबित होने वाला है। उन्होंने बताया कि 'महाभारत' को मल्टीपल पार्ट्स में बनाया जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे हॉलीवुड की मशहूर सीरीज़ 'लॉर्ड ऑफ़ द रिंग्स' को पेश किया गया था। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस भव्य प्रोजेक्ट की रिक्रिएटिंग में काफी समय लग सकता है क्योंकि कहानी को संजीवनी और विस्तार के साथ दर्शना उनका प्राथमिक उद्देश्य है। फिल्म को लेकर आमिर ने यह भी कहा कि वह खुद इस प्रोजेक्ट को डायरेक्टर नहीं करेंगे। उन्होंने इसे एक मल्टी-डायरेक्टर प्रोजेक्ट बताया, जिसका निर्देशन कई फिल्ममेकर मिलकर करेंगे। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के हर पार्ट पर एक अलग दृष्टिकोण और विशेषज्ञता के साथ काम किया जाएगा। वहीं, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह खुद फिल्म में एक्टिंग करेंगे, तो आमिर ने कहा कि इस बारे में उन्होंने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है।

उन्होंने कहा कि रोल्स का चयन टीम करेगी और इस बात का फैसला लिया जाएगा कि कौन सा कलाकार किस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त होगा। आमिर खान आखिरी बार साल 2022 में फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नज़र आए थे, जो हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गम्प' की आधिकारिक रीमेक थी। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब आमिर फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' में दिखाई देंगे, जो साल 2007 में आई सुपरहिट फिल्म 'तारे ज़मीन पर' का सीकवल है। इस फिल्म का निर्देशन आर.एस. प्रसन्ना कर रहे हैं और इसमें आमिर के साथ दर्शील सफारी और जेनेलिया देशमुख भी मुख्य भूमिकाओं में नज़र आएंगे। 'महाभारत' को लेकर दर्शकों में जो उत्सुकता है, वह आमिर के इस नए कदम के बाद और भी बढ़ गई है। बता दें कि आमिर खान पिछले कुछ समय से अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'महाभारत' को लेकर चर्चा में हैं। इस पौराणिक गाथा पर आधारित फिल्म को लेकर कई तरह की अटकलें और खबरें पहले से ही सामने आती रही हैं।



ज्वेल थीफ: द हाइस्ट बिगिन्स' को लेकर चर्चा में सैफ अली खान



अपनी आगामी फिल्म 'ज्वेल थीफ-द हाइस्ट बिगिन्स' को लेकर अभिनेता सैफ अली खान खासा चर्चा में हैं। सैफ इसके प्रमोशन में पूरी तन्मयता से जुटे हुए हैं। उन्होंने एक और बड़ी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसे डायरेक्टर राहुल दोलकिया निर्देशित कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग मुंबई के बलार्ड एस्टेट स्थित ग्रेंड होटल के पास शुरू हो चुकी है। सैफ आने वाले कुछ हफ्तों में शहर के अलग-अलग हिस्सों में शूटिंग करते नज़र आएंगे। उन्होंने प्रतीक गांधी और दीपक डोबरियाल के साथ एक महत्वपूर्ण सीकंस भी फिल्माया है। माना जा रहा है कि 'ज्वेल थीफ' के प्रमोशनल कमिटेंट्स पूरे करने के बाद, सैफ पूरी तरह इस नए प्रोजेक्ट पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। हालांकि फिल्म से जुड़ी जानकारीयों को गोपनीय रखा गया है, लेकिन इंडस्ट्री में चर्चा है कि सैफ इस फिल्म में भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन का किरदार निभा सकते हैं। यह फिल्म भारत के पहले आम चुनाव और उन दौर की ऐतिहासिक घटनाओं को उजागर करेगी, जिसमें सेन की भूमिका केंद्रीय होगी। वहीं, 'ज्वेल थीफ-द हाइस्ट बिगिन्स' की बात करें तो यह एक हाई-स्टेक हीरो स्ट्रैटिजी है, जिसमें सैफ रेहान रॉय की भूमिका में हैं, जिसे जयदीप अहलावत का किरदार राजन ओलाख 500 करोड़ रुपये के कीमती अफ्रीकन रेंड सन हीरे की चोरी के लिए हायर करता है। फिल्म में कुणाल कपूर इंसपेक्टर विक्रम पटेल, नितिका दत्ता राजन की पत्नी और रेहान की एक्स-गर्लफ्रेंड फाराह के किरदार में हैं। फिल्म में शबाना आज़मी, अनुपम खेर, परेश रावल और जैकी श्रॉफ जैसे सशक्त कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म का निर्देशन कुकी गुलटोटी और रॉबी ग्रेवाल ने किया है।

फिल्म निकिता रॉय की रिलीज डेट का ऐलान



साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म निकिता रॉय की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिका निभा रही हैं, उनके साथ अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहेल नख्तर जैसे दमदार कलाकार नज़र आएंगे। यह फिल्म 30 मई, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में फिल्म का एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है, जिसमें इसकी ऑफिशियल रिलीज डेट का खुलासा किया गया है। निकिता रॉय का निर्देशन कुश एस. सिन्हा ने किया है। फिल्म का जॉनर साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो ह्यूमन माइंड के ग्रे एरियाज़ और रहस्यमय परतों को सामने लाने का दावा करती है। फिल्म का निर्माण निकिता पाई फिल्म्स लिमिटेड के बैनर तले हुआ है। इसका नेतृत्व किंजल अशोक घोने ने किया है और इसमें निक्की खेमचंद भगनानी, विक्की भगनानी, अंकुर टकरानी, दिनेश रतिराम गुप्ता और क्रैटोस एंटरटेनमेंट ने सहयोग दिया है। फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले पवन कूपलानी ने लिखा है, जो थ्रिलर जॉनर के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता निक्की और विक्की भगनानी ने अपनी उत्सुकता साझा करते हुए कहा, यह फिल्म हमारे दिल के बेहद करीब है। यह उन विषयों को छूती है जो आमतौर पर मेनस्ट्रीम सिनेमा में नहीं दिखते। फिल्म की कहानी, शानदार कास्ट और कुश एस सिन्हा का अलग विज़न इसे एक मस्ट-वॉच बनाता है। हमें पूरा भरोसा है कि दर्शक इस तरह के कंटेंट के लिए तैयार हैं। रहस्य, थ्रिल और मनोवैज्ञानिक गहराईयों से भरपूर यह फिल्म 2025 की सबसे रोचक थ्रिलर्स में से एक मानी जा रही है। दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर उत्साह पहले से ही देखने को मिल रहा है। निकिता रॉय का आनंद मेहता, प्रकाश नंद बिजलानी, शक्ति भटनागर, मेहनाज़ शेख और प्रेम राज जोशी ने को-प्रोड्यूस किया है।

जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाने का पर्व है अक्षय तृतीया

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि जिसे अक्षय तृतीया या आखा तीज कहा जाता है, भारतीय संस्कृति और हिन्दू धर्म में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र पर्व है। यह अक्षय तृतीया का नाम 'अक्षय' शब्द से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'जो कभी नष्ट न हो' या 'शाश्वत'। इस दिन किए गए शुभ कार्य, दान, पूजा-पाठ और अन्य धार्मिक कृत्यों को अक्षय फलदायी माना जाता है। यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परम्पराओं में भी इसका विशेष स्थान है। भारत की विभिन्न धार्मिक और सामाजिक परम्पराओं में अक्षय तृतीया का बहुत महत्व है।

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया - हिन्दू धर्म में अक्षय तृतीया का दिन कई पौराणिक और धार्मिक घटनाओं से जुड़ा हुआ है। इस दिन को सतयुग और त्रेतायुग के प्रारंभ का दिन भी माना जाता है। इसके अतिरिक्त, इस तिथि से जुड़े कई कथानक और मान्यताएँ

इसे और भी पवित्र बनाती हैं। अक्षय तृतीया को भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम जी के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है। परशुराम, जो अपने पराक्रम और धर्म की रक्षा के लिए जाने जाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विष्णु के नर-नारायण अवतार की तपस्या भी अक्षय तृतीया के दिन से जुड़ी है। इस दिन बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुलते हैं, जो हिन्दुओं के चार धामों में से एक है। यह घटना इस पर्व को और भी महत्वपूर्ण बनाती है।

ऐसा माना जाता है कि महर्षि वेदव्यास ने महाभारत की रचना अक्षय तृतीया के दिन से शुरू की थी। इसके साथ ही, इस दिन गंगा नदी का पृथ्वी पर अवतरण भी हुआ था। इसलिए, इस दिन गंगा स्नान और दान का विशेष महत्व है। एक अन्य कथा के अनुसार, इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र



सुदामा का आतिथ्य स्वीकार किया था। सुदामा ने श्रीकृष्ण को साधारण चावल (अक्षत) भेंट किए, जिसे भगवान ने बड़े प्रेम से ग्रहण किया और सुदामा को अपार धन-समृद्धि प्रदान की। इस कथा के कारण, अक्षय तृतीया को दान और आतिथ्य का विशेष महत्व दिया जाता है।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया - जैन धर्म में अक्षय तृतीया का दिन प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार,

जैतूना के पत्तों से बनाया जाता है। इस दिन जैन तीर्थ पालिताणा (गुजरात) और हस्तिनापुर (मेरठ) में विशेष आयोजन होते हैं। जैन धर्म के अनुयायी उपवास, दान, और पूजा करते हैं। कई जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाते हैं, और भक्त इशु रस का दान करते हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व - अक्षय तृतीया का दिन शुभ कार्यों के लिए अत्यंत मंगलकारी माना जाता है। इस दिन बिना किसी मुहूर्त के

भगवान ऋषभदेव ने एक वर्ष तक कठोर तपस्या की और इस दिन हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस ने उन्हें इशु रस (गन्ने का रस) पिलाकर उनका पारणा (उपवास खोलना) कराया। यह घटना जैन समुदाय में 'वर्षी तप' के रूप में जानी जाती है। इस दिन जैन तीर्थ पालिताणा (गुजरात) और हस्तिनापुर (मेरठ) में विशेष आयोजन होते हैं। जैन धर्म के अनुयायी उपवास, दान, और पूजा करते हैं। कई जैन मंदिरों में विशेष आयोजन किए जाते हैं, और भक्त इशु रस का दान करते हैं।

व्यापारी वर्ग के लिए अक्षय तृतीया का विशेष महत्व है। इस दिन नए व्यवसाय की शुरुआत, दुकान का उद्घाटन, और निवेश जैसे कार्य किए जाते हैं। सोने और चाँदी की खरीदारी भी इस दिन बहुत लोकप्रिय है, क्योंकि यह धन-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अक्षय तृतीया को दान-पुण्य का विशेष महत्व है। इस दिन जल, अन्न, वस्त्र, कार्यों के लिए अत्यंत मंगलकारी माना जाता है। इस दिन बिना किसी मुहूर्त के

में समानता और सहायता की भावना को बढ़ावा देता है। गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुएँ दान की जाती हैं।

कृषि और ग्रामीण परम्पराएँ - भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में, अक्षय तृतीया का संबंध कृषि और प्रकृति से है। इस दिन किसान अपने खेतों में पूजा करते हैं और अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करते हैं। उत्तर भारत में, विशेषकर राजस्थान और मध्य प्रदेश में, इस दिन 'आखा तीज' के रूप में खेतों में सामूहिक उत्सव मनाए जाते हैं। किसान अपने बैलों और कृषि उपकरणों की पूजा करते हैं, और सामुदायिक भोजन का आयोजन करते हैं। अक्षय तृतीया सामाजिक एकता और उत्सव का प्रतीक भी है। इस दिन लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ मिलकर उत्सव मनाते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान के कुछ हिस्सों में लोक नृत्य और गीतों के साथ उत्सव मनाया

जाता है। भारत की विविध सांस्कृतिक और धार्मिक परम्पराओं के कारण, अक्षय तृतीया को अलग-अलग क्षेत्रों में विभिन्न रूपों में मनाया जाता है।

अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति का एक ऐसा पर्व है, जो धार्मिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह दिन न केवल भक्ति और पूजा का अवसर प्रदान करता है, बल्कि सामाजिक एकता, परोपकार, और शुभ कार्यों की शुरुआत का प्रतीक भी है। हिन्दू, जैन, और अन्य समुदायों में इस पर्व का अलग-अलग रूपों में उत्सव मनाया जाता है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाता है। चाहे वह भगवान परशुराम की पूजा हो, सुदामा-कृष्ण की मित्रता का स्मरण हो, या जैन धर्म में वर्षी तप का आयोजन, अक्षय तृतीया हर रूप में अक्षय फलदायी है। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि सच्चे मन से किए गए कार्य और दान कभी नष्ट नहीं होते, बल्कि वे हमारे जीवन को समृद्ध और सार्थक बनाते हैं।

पुलिस व गौरक्षक कर रहे थे गौवंश से भरी पिकअप का....

अनियंत्रित होकर रेलवे पटरी के पास पहुंची एक-एक घंटे लेट हुई यात्री ट्रेनें, बड़ा हादसा टला

पिपलिया मण्डी 29 अप्रैल । फिल्मी स्टालिन में पुलिस व गौरक्षकों हाईवे पर पिकअप का पीछा किया। इस दौरान गौवंश से भरी पिकअप सड़क से नीचे उतरकर रेलवे पटरी के पास पहुंचकर फस गई। संयोगवश पिकअप जिस समय रेलवे पटरी के पास पहुंची, उस समय दोनों ओर से यात्री ट्रेनों के भी पिपलिया आने का समय था। जिन्हें पुलिस ने सूचना देकर स्टेशनों ही रुकवाकर बड़ा हादसा टलने से बचा लिया। जानकारों के अनुसार गौवंश भरकर महाराष्ट्र कल्लखाने ले जाए जाने की सूचना पर मंगलवार को प्रातः 5 बजे करीब महाराष्ट्र पुलिस के साथ गौरक्षा दल के प्रदेश प्रवक्ता हेमन्तसिंह राठौड़, कृष्णपालसिंह पंवार, हेप्पी बना, सचिन नागदा, हर्षराजसिंह हाड़ा, लोकेश नागदा, उमेश सैनी



ने ने मल्हारगढ़ में बेरिकेट्स लगाए, लेकिन तेजगति से पिकअप ड्राइवर बेरिकेट्स तोड़ता हुआ नीमच से मंससौर की ओर भाग निकला। गौरक्षक व पुलिस ने पिकअप क्रमांक एमपी 43 जेडजी 7669 का पीछा किया, इस दौरान पिकअप ड्राइवर हाईवे से नीचे उतर गया और खाल्याखेड़ी मार्ग से पिपलिया की भागा। तेजगति से होने के कारण संतुलन बिगड़ने

के डम रखे थे। चूँकि उस समय दोनों ओर यात्री ट्रेनों के आने का भी समय था, पिकअप के पटरी के पास फस जाने से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए पीछा कर रही मल्हारगढ़ पुलिस के अधिकारी ने सूझबूझ दिखाते हुए तत्काल इसकी सूचना पिपलिया रेलवे स्टेशन पर दी। स्टेशन अधीक्षक फरहतुल्लाह खान ने दोनों ओर से आ रही ट्रेनों को पिपलिया व मल्हारगढ़ प्लेटफार्म पर ही रुकवा दिया। मंदसौर से उदयपुर जाने वाली ट्रेन को सुबह 5.40 बजे यहां पिपलिया स्टेशन प्लेटफार्म पर ही रोक दिया। वहीं उदयपुर रतलाम ट्रेन के 5.37 पर पिपलिया पहुंचने का समय था, जिसे मल्हारगढ़ स्टेशन पर ही रुकवा दिया। सूचना पर पिपलिया चोकी प्रभारी धर्मेरा यादव के अलावा आरपीएफ मंदसौर के

अधिकारी भी मौके पहुंचे। बाद में ही कुछ दूरी पर पेयजल पाइप लाइन डालने के लिए लगी हुई क्रेन मशीन को बुलवाकर पिकअप को रेलवे टैक से हटवाया। तब जाकर एक - एक घंटे बाद दोनों यात्री गाड़ियों रवाना किया गया, यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। पिपलिया चोकी पुलिस ने पिकअप छोड़कर फरार हुए पशु तस्करों के खिलाफ पशुकूटा अधिनियम में केस दर्ज किया। पिकअप में 10 गौवंश भरे थे। जिसमें आठ गौवंश को पकड़कर गौशाला भिजवा दिया, वहीं दो गौवंश दुर्घटना के बाद मौके से भाग गए। मामले को लेकर रेलवे पुलिस ने भी पंचनामा बनाया है, रेलवे अधिनियम की धाराओं में भी पशु तस्करों पर केस दर्ज होगा और जुर्माना वसूली की कार्रवाई होगी।

अधिकारी भी मौके पहुंचे। बाद में ही कुछ दूरी पर पेयजल पाइप लाइन डालने के लिए लगी हुई क्रेन मशीन को बुलवाकर पिकअप को रेलवे टैक से हटवाया। तब जाकर एक - एक घंटे बाद दोनों यात्री गाड़ियों रवाना किया गया, यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। पिपलिया चोकी पुलिस ने पिकअप छोड़कर फरार हुए पशु तस्करों के खिलाफ पशुकूटा अधिनियम में केस दर्ज किया। पिकअप में 10 गौवंश भरे थे। जिसमें आठ गौवंश को पकड़कर गौशाला भिजवा दिया, वहीं दो गौवंश दुर्घटना के बाद मौके से भाग गए। मामले को लेकर रेलवे पुलिस ने भी पंचनामा बनाया है, रेलवे अधिनियम की धाराओं में भी पशु तस्करों पर केस दर्ज होगा और जुर्माना वसूली की कार्रवाई होगी।

सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाईन में दर्ज प्रकरणों के निराकरण के लिए निरंतर प्रयास करें - चंद्रा

कलेक्टर ने जिला अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

नीमच 29 अप्रैल (निप्र)। जिले के सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाईन में दर्ज प्रकरणों के निराकरण के लिए निरंतर प्रयास करें एवं समाधान ऑनलाईन, 100 दिवस के उपर की शिकायतों का निराकरण तुरंत करवाएं और शिकायतें बंद करवाना सुनिश्चित करें। सभी एसडीएम सीमांकन, नामांतरण, बटाकन, अभिलेख दुरुस्ती के कार्य में तेजी लाएं। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी एसडीएम सभी सीएमओ एवं जनपद सीईओ को दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े, सभी एसडीएम, सभी डिप्टी कलेक्टर एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने कहा, कि सभी एसडीएम, जनपदों एवं नगरीय निकायों को जिन हितग्राहियों की ई-केवायसी हो गई है और जिनकी ई-केवायसी नहीं हुई है, उनकी सूची उपलब्ध करवाएं।

कलेक्टर चंद्रा ने नीमच जिले में मुख्यमंत्री के दो सफल कार्यक्रम हुए हैं। इसके लिए सभी अधिकारियों को बधाई दी है। प्रत्येक विभाग शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को अमल में लाएं। अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम के लिए सभी एसडीएम, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सचिव, पटवारी निरंतर फिल्ड में रहे और तत्काल बाल विवाह रोकने के निर्देश दिए। बाल विवाह होने की दशा में उस क्षेत्र के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सुपरवाइजर के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी ।

जिला प्रशासन की पारदर्शिता से मंडी के भूखंडों की नीलामी से मिलेगी कुल 60 करोड़ की राशि

नीमच 29 अप्रैल 2025, जिला प्रशासन द्वारा कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में कृषि उपज मंडी समिति नीमच के नवीन (अतिरिक्त) प्रांगण डुंगलावदा-चंगेरा में कुल दो चरणों में 248 भू-खंडों की नीलामी में व्यापारियों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया है।जिला प्रशासन, के निर्देशन में मंडी समिति द्वारा पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता के साथ नीलामी प्रक्रिया संपन्न की गई।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बताया, कि इस नीलामी से प्राप्त राजस्व का उपयोग मंडी के आधुनिकीकरण उन्नयन, कृषक एवं व्यापारियों की सुविधाओं के विकास एवं विस्तार कार्यों में किया जाएगा। जिससे किसानों एवं व्यापारियों को और बेहतर सुविधाएं

मंडी में उपलब्ध हो सकेंगी। नीमच मंडी सचिव उमेश शर्मा ने बताया, कि प्रथम चरण में 26 एवं 27 मार्च 2025 की नीलामी में 157 भू-खंडों की कुल नीलामी बोली (अपसेट वैल्यू) राशि रु. 24570500/- (दो करोड़ पैंतालिस लाख सत्तर हजार पांच सौ) के विरुद्ध राशि रु. 347527000/- (चौतिस करोड़ पचहत्तर लाख सत्ताईस हजार) प्राप्त हुई है, जो अपसेट वैल्यू से 1414 गुना अधिक प्राप्त हुई थी।

द्वितीय चरण में 28 अप्रैल 2025 की नीलामी में 91 भू-खंडों की कुल नीलामी बोली 25665000/- (दो करोड़ छपन लाख पैसठ हजार) के विरुद्ध राशि रु. 254351000/- (पच्चीस करोड़ तैंतालीस लाख

इक्यावन हजार) प्राप्त हुई है, जो अपसेट वैल्यू से 991 गुना अधिक है। इस प्रकार प्रथम एवं द्वितीय चरणों में कुल 248 भू-खंडों की कुल नीलामी बोली (अपसेट वैल्यू) राशि रु. 50235500/- (पांच करोड़ दो लाख पैंतीस हजार पांच सौ) के विरुद्ध राशि रु. 601878000/- (साठ करोड़ अठ्ठाह्र लाख अठहत्तर हजार) प्राप्त हुई है, जो अपसेट वैल्यू से 1198 गुना अधिक है। उपरोक्त चरणबद्ध नीलामी के सफलतापूर्वक संपादन में कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा एवं संजीव साहू अनुविभागीय अधिकारी, भारसाधक अधिकारी तथा स्थानीय जिला प्रशासन का मंडी सचिव उमेश कुमार बसेड़िया शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया है ।

भारत विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रबुद्ध संभांत व बुद्धिजीवी वर्ग को संगठित करना - सांसद गुर्जर

सहयोग, सेवा, संस्कार की भावना से देश को आगे बढ़ाना परिषद् का संकल्प - विधायक परिहार



नीमच। भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा नीमच का दायित्व ग्रहण समारोह गत दिवस नीमच शहर के कालानी नगर स्थित शिवानन्द गार्डन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुरुआत अतिथियों द्वारा भारत माता एवं विवेकानंदजी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर राष्ट्रगीत से की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदीप चौपड़ा, सेवा प्रमुख रिजनेल (मध्यक्षेत्र) द्वारा व श्री घनश्याम जी पोरवाल, प्रांतीय अध्यक्ष, मध्यभारत परिषद प्रांत शपथ अधिकारी भी प्रमुख रुप से मौजूद रहे। अध्यक्ष पद हेतु घनश्याम जी पोरवाल, प्रांतीय अध्यक्ष, मध्यभारत पश्चिम प्रांत ने मनीष कालानी, सचिव गौरव

गहानी, एवं कोषाध्यक्ष पद हेतु अभय नलवाया को परिषद के आदर्शों, उद्देश्यों और उनकी अन्तर्भूत मर्यादा को निभाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रमों एवं नवीन सदस्यों को विशिष्ट अतिथि द्वारा शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विकास परिषद गरीब, अशिक्षित पीढ़ित मानवता की सेवा करने में जुटा हुआ है। नई पीढ़ी में सेवा, संस्कार की भावना विकसित हो, देश में भारतीय संस्कृति को संवर्धन प्रदान करने के उद्देश्य से परिवार संस्कार, गुरु वंदन, भारत को जानो आदि कार्यक्रम करती

है। भारत विकास परिषद का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रबुद्ध संभांत एवं बुद्धिजीवी वर्ग को संगठित करके उन्हें देश की निर्धन, दिव्यांग एवं निरक्षर वर्ग की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है। परिषद् भगवान राम का अनुशरण करता है। आज हमें इस दिशा में कार्य करना चाहिए, जिससे लोगों में संस्कार का भाव बने। आज बच्चे अपने माता- पिता से दूर होते जा रहे हैं, यह चिंता की बात है, इसका हल समाज को ही दृढ़ता होगा। इस दौरान नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने भारत विकास परिषद के बारे विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि समाज में संस्कार और सेवा के प्रकल्पों

के माध्यम से भारतीय संस्कृति पर आधारित समाज का निर्माण करना परिषद का लक्ष्य है। परिषद अपने पांच सूत्रों संपर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा और समर्पण के आधार पर निस्वार्थ भाव से समाज सेवा कर रही है। विकास परिषद की शाखाओं के माध्यम से नीमच क्षेत्र में अनेक महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित की गई है। इस क्रम में मातृशक्ति के सम्मान के लिए रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा की स्थापना भी नीमच नगर में शीघ्र की जाएगी। इस अवसर पर विधायक दिलीप सिंह परिहार ने विधायक नीधि से आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की। नीमच नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति चौपड़ा ने कहा की

परिषद् हमेशा से सेवा एवं संस्कार के क्षेत्र में कार्य करती रही है। भारत विकास परिषद में महिला सहभागिता बढ़नी चाहिए और संकल्प प्रकल्पों में महिलाओं की भूमिका सक्रिय होनी चाहिए। उन्होंने एनिमिया उन्मुलन, अभिरुचि शिविर, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, महिला जागरूकता, संस्कार शिविर में प्रत्येक स्तर शाखा, प्रांत एवं क्षेत्र पर महिलाओं की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। आयोजन में श्रीमती वन्दना खण्डेलवाल, जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, नीमच ने भी नवगठित टीम को बधाई देते हुए इस टीम द्वारा एक नया इतिहास रचने की कामना की।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई 117 आवेदकों की सुनी समस्याएं



नीमच 29 अप्रैल (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 117 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस मौके पर एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सी.ई.ओ. अमन वैष्णव, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े, एस.डी.एम.नीमच संजीव साहू, डिप्टी कलेक्टर चंद्रसिंह धावें, सुश्री करिण आंजना, डॉ.रश्मि श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी

उपस्थित थे । जनसुनवाई में लासुर की सागरबाई, कुण्डला के गोपालदास, जीवाजीराव छात्रावास नीमच की ईलुबाई, नीमच सिटी की कविता, कराडिया महाराज की धाफुकुंवर, सावलपुरा के बंशीलाल रावत, जाट की आशिषा बी, ढाबा के नंदकिशोर जाटव, जयसिंहपुरा के बाबुलाल, तारापुर के आरीफ मोहम्मद, दुदरसी के जगन्नाथ, मालखेडा के जगनेश, अरनिया बोराना के गोर्धनलाल, सोनियाना के कारुलाल कुमावत ने भी अपनी समस्याओं

से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह महुरोड़ वार्ड नं.17 नीमच के जितेन्द्र सोनगरा, रूपपुरा के पुखराज बैरागी, ग्वालटोली नीमच के ताराचंद, उगरान के देवीलाल, कोटडी ईस्तमुरार के शयामदास बैरागी, कंजार्डा के हरिराम, रतनगढ़ की रेखा, राजस्व कॉलोनी के सुरेन्द्र कुमार गोयल, बिसलवासकला के कैलाशचंद्र राठौर, कनावटी के रामप्रसाद, सावन की हंसा कुंवर आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत कर, अपनी समस्याएं सुनाई।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र

~~रु 81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।